बहुजन हिताय! बहुजन सुखाय!

सक्षम भारत

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक | इन्द्रजीत सिंह, मुख्य संवाददाता/सचिव, CNSI-Delhi

दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, उत्तर प्रदेश से प्रसारित

www.sakshambharat;net, E-mail : saksham.bharat@hotmail.com

Member : CENTRAL NEWSPAPER SOCIETY OF INDIA DELHI

● वर्ष: 24 ● अंक: 164 ● नई दिल्ली ● मंगलवार 14 अप्रैल 2026 ● प्रभात कालीन ● मूल्य: 3 रूपया ● पृष्ठ: 4

रिपब्लिकन मजदूर संगठन के सदस्य बनें

E-mail : rmsdp@hotmail.com

अनागरिक गीता भारती भवन

बी-2/370, सुल्तानपुरी

दिल्ली-86

दिल्ली नगर निगम के कर्मचारी आज से भूख हड़ताल पर, आर-पार की लड़ाई की तैयारी; विरोध में कई संगठन एकजुट

दिल्ली । एमसीडी में सफाई कर्मचारियों का असंतोष अब बड़े आंदोलन का रूप लेता दिख रहा है। दिल्ली नगर निगम समस्त यूनियन कोर कमेटी के बैनर तले 93 यूनियनों और संगठनों ने निगम प्रशासन के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। यूनियन ने कहा कि लंबित मांगों को नजरअंदाज किए जाने के विरोध में अब आर-पार की लड़ाई लड़ी जाएगी। इस कड़ी में सोमवार से सांकेतिक भूख हड़ताल भी शुरू की जाएगी। जबकि 25 अप्रैल से सभी 12 जोनों में सम्पूर्ण काम बंद हड़ताल शुरू की जाएगी।ढयूनियन अध्यक्ष राजकुमार धीगान के अनुसार, सोमवार से रोजाना 24 कर्मचारी भूख हड़ताल पर बैठेंगे, जिनमें हर जोन से दो-दो कर्मचारी शामिल होंगे।

परिसीमन पर भड़कीं सोनिया गांधी, बोलीं- यह संविधान पर सीधा हमला, बेहद खतरनाक

नई दिल्ली । कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने सोमवार को कहा कि संसद के विशेष सत्र के लिए केंद्र सरकार द्वारा प्रस्तावित विधायी एजेंडा परिसीमन को लेकर गंभीर चिंताएं पैदा करता है, जिसे उन्होंने अत्यंत खतरनाक और संविधान पर सीधा हमला बताया। द हिंदू में प्रकाशित एक लेख में गांधी ने कहा कि संसद के समक्ष मुख्य मुद्दा महिलाओं के लिए आरक्षण नहीं, बल्कि परिसीमन प्रक्रिया के निहितार्थ हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि लोकसभा की संख्या में कोई भी वृद्धि केवल गणितीय रूप से नहीं, बल्कि राजनीतिक रूप से भी न्यायसंगत होनी चाहिए। सोनिया गांधी ने लेख में कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी विपक्षी दलों से उन विधेयकों का समर्थन करने की अपील कर रहे हैं जिन्हें सरकार उस समय संसद के विशेष सत्र में पारित करना चाहती है जब तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में चुनाव प्रचार अपने चरम पर होगा। इस असाधारण तरीके की जल्दबाजी का केवल एक ही कारण हो सकता है, वह है राजनीतिक लाभ प्राप्त करना और विपक्ष को रक्षात्मक मुद्रा में लाना। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री हमेशा की तरह सचाई से दूर हैं। उनका कहना है, संसद ने एक विशेष सत्र के दौरान सितंबर 2023 में नारी शक्ति वंदन अधिनियम, 2023 को सर्वसम्मति से पारित किया था। अधिनियम के माध्यम से संविधान में अनुछेद 334-ए जोड़ा गया, जिसने लोकसभा और विधानसभाओं में महिलाओं के लिए एक तिहाई आरक्षण अनिवार्य कर दिया। यह अगली जनगणना और जनगणना-आधारित परिसीमन प्रक्रिया के पूरा होने के बाद लागू होगा।'' उन्होंने कहा, ''विपक्ष ने यह शर्त नहीं मानी थी। दरअसल, रायसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने 2024 के लोकसभा चुनाव से ही आरक्षण प्रावधान लागू करने की पुरजोर मांग

की थी। सरकार इससे सहमत नहीं हुई। कांग्रेस नेता ने सवाल किया कि अब इस रुख से 'यू-टर्न' लेने में प्रधानमंत्री को 30 महीने क्यों लग गए? उन्होंने इस बात का उल्लेख किया कि सरकार ने विपक्ष की ओर से की गई सर्वदलीय बैठक बुलाने की मांग को ठुकरा दिया। सोनिया गांधी ने आरोप लगाया कि विधानसभा चुनावों के बीच संसद सत्र का आयोजन करना एक गुप्त रणनीति है जो निर्णय लेने के लिए प्रधानमंत्री के एकाधिकार और उनके माई वे या हाइवे वाले दृष्टिकोण को दर्शाती है। कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष ने इस बात को याद दिलाया कि 73वें और 74वें संविधान संशोधन विधेयक क्रमशः अप्रैल 1993 और जून 1993 में संसद द्वारा पारित किए गए तथा उन विधेयकों पर लगभग पांच साल तक चर्चा और विचार विमर्श हुआ था, जिसके बाद पंचायतों और नगर पालिकाओं के चुनावों में महिलाओं के लिए आरक्षण कानून बना। उन्होंने कहा, यह दिवंगत पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की एक अनोखी उपलब्धि थी। उन्होंने दावा किया कि पिछली दशकीय जनगणना 2021 में होनी थी, लेकिन मोदी सरकार इसे टालती रही, जिसका एक परिणाम यह हुआ है कि 10 करोड़ से अधिक लोग राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम, 2013 के तहत अपने कानूनी अधिकारों से वंचित हो गए हैं। उनका कहना है कि इस सत्र को बुलाने और परिसीमन कराने की जल्दबाजी के लिए सरकार के बहाने स्पष्ट रूप से खोखले हैं। सोनिया गांधी ने कहा, दरअसल, प्रधानमंत्री का असली इरादा अब जाति जनगणना को और विलंबित करना और पटरी से उतारना है। उन्होंने कहा, विशेष सत्र 16 अप्रैल को शुरू होने वाला है। फिर भी, अब तक, सांसदों के साथ कोई आधिकारिक प्रस्ताव साझा नहीं किया गया है कि सरकार वास्तव में सत्र पर क्या विचार कराना चाहती है। ऐसा लग रहा है कि परिसीमन का कोई फॉर्मूला सुझाया जा रहा है। किसी भी परिसीमन से पहले पूर्व की भांति जनगणना प्रक्रिया होनी चाहिए। और यह कहने की आवश्यकता नहीं है कि लोकसभा की सीटों की संख्या में वृद्धि से संबंधित कोई भी परिसीमन राजनीतिक रूप से होना चाहिए, न कि केवल अंकगणितीय रूप से। जो राय परिवार नियोजन में अग्रणी रहे हैं, उन्हें और छोटे रायों को पूर्ण या सापेक्ष में नहीं रखा जाना चाहिए। कांग्रेस नेता के अनुसार, सीटों की संख्या में समानुपातिक वृद्धि, सापेक्ष प्रभाव के नुकसान का कारण बन सकती है क्योंकि अलग-अलग रायों में सीटों की संख्या के बीच अंतर बढ़ जाता है।

संसदीय सत्र से पहले महिला आरक्षण पर सियासी घमासान, खरगे ने इसे बताया राजनीतिक स्टंट

नई दिल्ली ।

कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने सोमवार को कहा कि उनकी पार्टी लोकसभा में महिला आरक्षण का समर्थन करती है, लेकिन उन्होंने सरकार द्वारा इसे राजनीतिक कारणों से आगे बढ़ाने की आलोचना की। नारी शक्ति वंदन अधिनियम, 2023 में संशोधनों पर चर्चा के लिए 16 अप्रैल से शुरू होने वाले तीन दिवसीय विशेष संसदीय सत्र से पहले, खरगे ने जोर दिया कि 15 अप्रैल को होने वाली सर्वदलीय बैठक में आगे की कार्रवाई तय की जाएगी। बेंगलुरु में पत्रकारों से बात करते हुए खरगे ने कहा कि हम नारी शक्ति विधेयक के खिलाफ नहीं हैं। मुझे (किरेन रिजिजू से) एक पत्र मिला है, लेकिन वे इसे राजनीतिक कारणों से कर रहे हैं। वे कह रहे हैं कि यह विधेयक उन्होंने राजनीतिक कारणों से पेश किया है। हमने 15 तारीख को सर्वदलीय बैठक बुलाई है। हम सर्वदलीय बैठक में इस पर चर्चा करेंगे और आगे का फैसला लेंगे। हमने अपने कार्यकाल में यह प्रस्ताव रखा था; हम इसके खिलाफ नहीं हैं। नारी शक्ति वंदन अधिनियम महिलाओं के आरक्षण को नई जनगणना और परिसीमन से जोड़ता है। जनगणना में देरी के कारण, केंद्र सरकार परिसीमन के लिए 2011 की जनगणना के आंकड़ों का उपयोग करने और महिला विधायकों के लिए एक तिहाई आरक्षण लागू करने का इरादा रखती है। नारी शक्ति वंदन अधिनियम, 2023 में संशोधन विधेयक और महिला विधायकों के लिए एक तिहाई आरक्षण लागू करने के उद्देश्य से लाए गए परिसीमन विधेयक पर विचार करने के लिए संसद का 16 अप्रैल से तीन दिनों का विशेष सत्र आयोजित किया जाएगा। इन संशोधनों के बाद लोकसभा की सीटें 543 से बढ़कर 816 हो सकती हैं। दोनों विधेयकों को महिला आरक्षण स्थापित करने के लिए संवैधानिक संशोधन के रूप में पारित करना आवश्यक है। इन विधेयकों में ओबीसी आरक्षण का कोई प्रावधान नहीं है, और अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति आरक्षण में कोई बदलाव नहीं होगा। इससे पहले सोमवार को, नारी शक्ति वंदन अधिनियम, 2023 को लागू करने के लिए प्रस्तावित संशोधन के समर्थन में नई दिल्ली के विज्ञान भवन में राष्ट्रीय स्तर का नारी शक्ति वंदन सम्मेलन आयोजित किया गया था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सभा को संबोधित करते हुए प्रस्तावित महिला आरक्षण कानून को नारी शक्ति को समर्पित एक ऐतिहासिक कदम बताया।

पवन खेड़ा केस में सुप्रीम कोर्ट पहुंची असम पुलिस, तेलंगाना हाईकोर्ट से मिली राहत के खिलाफ अपील

नई दिल्ली । असम पुलिस ने कांग्रेस नेता पवन खेड़ा को दी गई अग्रिम जमानत के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है। यह जमानत तेलंगाना हाई कोर्ट ने उस मामले में दी थी, जो असम में उनके खिलाफ दर्ज किया गया है। राय सरकार ने हाई कोर्ट के इस आदेश को चुनौती देते हुए सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की है। दरअसल तेलंगाना हाईकोर्ट ने खेड़ा को एक हफ्ते की अग्रिम जमानत दे दी है। कोर्ट की जज न्यायमूर्ति सुजाना कलासिकम ने कहा कि पवन खेड़ा को एक हफ्ते का समय दिया जाता है ताकि वह संबंधित कोर्ट में जाकर नियमित जमानत के लिए आवेदन कर सकें। यह मामला असम पुलिस द्वारा दर्ज किया गया था। पवन खेड़ा पर आरोप है कि उन्होंने असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा की पत्नी रिंकी भुइयां सरमा को लेकर गंभीर आरोप लगाए थे। पवन खेड़ा ने 5 अप्रैल को दावा किया था कि मुख्यमंत्री की पत्नी के पास कई पासपोर्ट और विदेश में संपत्ति है, जिसकी जानकारी चुनावी हलफनामे में नहीं दी गई। दरअसल, असम पुलिस, दिल्ली पुलिस के साथ मिलकर पवन खेड़ा से पूछताछ करने उनके आवास पर पहुंची थी, लेकिन वे वहां मौजूद नहीं मिले। यह कार्रवाई उस मामले में की जा रही थी जिसमें खेड़ा ने हिमंता बिस्व सरमा की पत्नी पर तीन विदेशी पासपोर्ट रखने का आरोप लगाया था। इस बीच, पवन खेड़ा ने अग्रिम जमानत के लिए तेलंगाना उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया था। उन्होंने अदालत में अपना आवासीय पता हैदराबाद बताया और गिरफ्तारी की स्थिति में राहत देने की मांग की। बताया जा रहा है कि उनका तेलंगाना से पारिवारिक संबंध है और हैदराबाद में उनका निजी निवास भी है। साथ ही, राय में कांग्रेस की सरकार होने को भी इस कदम से जोड़कर देखा जा रहा है। मामले ने तब तूल पकड़ा जब पवन खेड़ा ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा और उनकी पत्नी रिंकी सरमा पर गंभीर आरोप लगाए। पवन खेड़ा ने दावा किया कि रिंकी सरमा के पास तीन अलग-अलग देशों के पासपोर्ट हैं और उनके समर्थकों के पास ऐसे दस्तावेज हैं जो इस कथित खुलासे को साबित करते हैं। उन्होंने इसे स्वतंत्र भारत की राजनीति में एक बड़ा मामला बताया।

दिल्ली विधानसभा को 15 आरडीएक्स बमों से उड़ाने की धमकी, ईमेल से मचा हड़कंप

नई दिल्ली । दिल्ली विधानसभा में सुरक्षा चूक की घटना के बाद चिंताएं बढ़ने के कुछ दिनों बाद, सोमवार को दो बम हमले की धमकी भरे ईमेल प्राप्त हुए, जिनमें 15 साइनाइड गैस से भरे आरडीएक्स बम का इस्तेमाल करने की चेतावनी दी गई थी। संदेशों में आगामी तमिलनाडु विधानसभा चुनावों का भी जिक्र था।

ये ईमेल विधानसभा सचिवालय की आधिकारिक आईडी और अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता को भेजे गए थे। हिंदी में लिखे गए दोनों ईमेलों में एक ही तरह की सामग्री थी। विषय में लिखा था कि तीन घंटे के भीतर, हम आपकी दिल्ली विधानसभा में 15 साइनाइड गैस से भरे आरडीएक्स बमों से विस्फोट करेंगे। परिसर से केवल मुस्लिम कर्मचारियों को ही बाहर निकाला जाए। धमकी में तमिलनाडु के राजनीतिक घटनाक्रमों का भी जिक्र था। इसमें कहा

गया था कि कर्मचारियों, डीएमके में कोई ब्राह्मण सदस्य नहीं होना चाहिए। अगर वे पार्टी में शामिल होते हैं, तो उन्हें नग्न अवस्था में 'पेरियार-अंबेडकर जिंदाबाद' का नारा लगाना चाहिए। तभी हम उन्हें अपने बीच शामिल होने देंगे। ईमेल में आगे दावा किया गया कि एस.वी. शेखर, जिन्हें ब्राह्मण बताया गया है, डीएमके में शामिल हो गए हैं और लिखा है कि इसीलिए हम आपकी विधानसभा को उड़ने जा रहे हैं क्योंकि आपने उन्हें दक्षिण भारत और डीएमके में भाजपा के ब्राह्मण एजेंट के रूप में भेजा है। तमिलनाडु में 23 अप्रैल को एक ही चरण में मतदान होना है और मतगणना 4 मई को होगी। चुनाव में प्रमुख भूमिका निभाने वाली पार्टियों में सत्ताधारी डीएमके, एआईएडीएमके और विजय की तमिलगा वेट्री कज़गम (टीवीके) शामिल हैं। विधानसभा परिसर में हाल ही में हुई सुरक्षा चूक के बाद ये धमकियां सामने आई हैं। पिछले सप्ताह, एक नकाबपोश व्यक्ति ने परिसर के लोहे के गेट को तोड़कर कार अंदर घुसा दी। आरोपी, उत्तर प्रदेश के पीलीभीत निवासी सरबजीत सिंह, वीआईपी के लिए निर्धारित गेट नंबर 2 को तोड़कर अंदर घुसा, अपनी टाटा सिएरा एसयूवी से उतरा, स्पीकर विजेंद्र गुप्ता की कार पर फूलों का गुलदस्ता रखा और फिर चला गया।

रण और भीषण होगा!

आतंकवाद की धरती पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में 21 घंटे हुए शांति पाठ का कोई नतीजा नहीं निकला। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस अपने दल-बल समेत हताश होकर बैरंग लौटे। ईरान के प्रतिनिधिमंडल ने अमेरिका की शर्तों को मानने से साफ इंकार कर दिया। जिस अविश्वास के माहौल में अमेरिका और ईरान में शांति वार्ता हुई, इसकी उम्मीद कम ही थी कि यह सिरे चढ़ेगी। इजराइल द्वारा लेबनान पर लगातार किए जा रहे हमले बड़े अवरोधक साबित हुए। मध्यस्थ बनकर पाकिस्तान को अन्तर्राष्ट्रीय फजीहत झेलनी पड़ी। पाक प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और आर्मी चीफ मियां मुनीर अमेरिका की चमचागिरि करते दिखाई दिए लेकिन उनके हाथ कुछ न लगा। इजराइल को पाकिस्तान पर कोई विश्वास नही था। क्योंकि पाकिस्तान ने आज तक इजराइल को मान्यता नहीं दी है और पाकिस्तानी पासपोर्ट पर भी यह लिखा हुआ है कि यह पासपोर्ट इजराइल की यात्रा के लिए नहीं है। वैसे तो आतंकवाद की खेती करने वाले पाकिस्तान में शांति वार्ता अपने आप में हास्यस्पद रही। असल में, यह बातचीत कई बड़े और मुद्दों में उलझी रही। सबसे बड़ा विवाद स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को लेकर था। यह दुनिया का सबसे अहम तेल मार्ग है और इसी को लेकर दोनों देशों के बीच गहरी खाई है। अमेरिका चाहता है कि यह रास्ता पूरी तरह खुला रहे और किसी तरह की रोक-टोक न हो, जबकि ईरान इस पर अपना नियंत्रण बनाए रखना चाहता है। ईरान ने साफ कर दिया है कि जब तक कोई साझा ढांचा तय नहीं होता, तब तक होर्मुज की स्थिति नहीं बदलेगी। दूसरा बड़ा विवाद, परमाणु कार्यक्रम को लेकर अमेरिका चाहता है कि ईरान अपने परमाणु कार्यक्रम को खत्म या सीमित करे, जबकि ईरान इसे अपना अधिकार मानता है और इससे पीछे हटने को तैयार नहीं है। ईरान स्पष्ट कर चुका है कि वह परमाणु बम नहीं बनाएगा लेकिन यूरेनियम संवर्धन नहीं छोड़ेगा। यही मुद्दा बातचीत में सबसे बड़ा अड़ंगा बना। जेडी वेंस ने भी इशारा किया कि यही मुख्य कारण है जिसकी वजह से समझौता नहीं हो पाया। इतिहास गवाह है कि अमेरिका ने ईराक, लीबिया, अफगानिस्तान समेत कई देशों को बर्बाद किया है। दरअसल अमेरिका लीबिया मॉडल की तरह ईरान से सब कुछ आत्मसमर्पण कराना चाहता था। अमेरिकी खुफिया विभाग ने पाकिस्तानी परमाणु वैज्ञानिक अब्दुल कादिर खान ने परमाणु तस्करी नेटवर्क द्वारा लीबिया को दी जा रही सहायता का पर्दाफाश किया तो अमेरिका ने लीबिया को रोकने का फैसला किया। 19 दिसम्बर, 2003 को लीबिया के लम्बे समय तक राष्ट्रपति रहे कर्नल मुअम्मर गद्दाफी ने त्रिपोली के सामूहिक विनाश के हथियार कार्यक्रम को त्यागकर और यह सत्यापित करने के लिए अन्तर्राष्ट्रीय निरीक्षकों का स्वागत करके दुनिया को चौंका दिया कि लीबिया अपनी प्रतिबद्धता का पालन करेगा। गद्दाफी की घोषणा के बाद अमेरिका, ब्रिटेन और अन्तर्राष्ट्रीय संगठनों के निरीक्षकों ने लीबिया के परमाणु हथियारों के साथ-साथ उसकी सबसे लम्बी दूरी की बैलिस्टिक मिसाइलों को नष्ट करने का काम किया। वाशिंगटन ने लीबिया के साथ द्विपक्षीय संबंधों को सामान्य बनाने की दिशा में कदम उठाए। 2011 में जब लीबिया में गृह युद्ध छिड़ा तो स्थिति काफी बिगड़ गई। तब अमेरिका ने लीबिया से धोखा किया। अमेरिका ने रासायनिक हथियारों का बहाना बनाकर कर्नल गद्दाफी का शासन पलट दिया। विद्रोही बलों ने कर्नल गद्दाफी को ढूंढकर मार डाला। आज तक त्रिपोली में स्थिति नहीं सुधरी। अमेरिका ने इराक में सद्दाम हुसैन का क्या हश्र किया वो सब जानते हैं। ईरान को अमेरिका पर भरोसा नहीं है, इसलिए उसने अपना संवर्धित यूरेनियम ईरान अपनी संप्रभुत्ता अमेरिका को गिरवी कैसे दे सकता है। पाकिस्तान की सैन्य टुकड़ी का सऊदी अरब पहुंचना संदेह को और गहरा कर गया। भले ही कहा गया कि यह तैनाती पाकिस्तान और सऊदी अरब के बीच हुए संयुक्त रणनीतिक रक्षा समझौते के तहत हुई है। जिसके तहत किसी भी देश के खिलाफ बाहरी हमला दोनों देशों के खिलाफ हमला माना जाएगा। शांति वार्ता टूटने के बाद स्थितियां काफी जटिल हो चुकी हैं। ट्रम्प फिर से ईरान को पाषाण युग में भेजने की धमकियां देने लगे हैं और ईरान का कहना है कि वह फिर से युद्ध के लिए तैयार है। ईरान ने होर्मुज स्ट्रेट को लेकर भी झुकने से साफ इंकार कर दिया। 28 फरवरी के बाद से ही होर्मुज स्ट्रेट बंद है। ईरान का होर्मुज स्ट्रेट पर नियंत्रण कायम है। होर्मुज से ईरान की इजाजत के बगैर कोई जहाज नहीं गुजर सकेगा और वह जहाजों से टोल भी वसूलेगा। वार्ता विफल होने के बाद युद्ध के नए फ्रंट खुलने का खतरा पैदा हो गया है। अगर सऊदी अरब और अन्य खाड़ी देश युद्ध में कूदते हैं तो पूरी दुनिया के लिए अभूतपूर्व संकट खड़ा हो जाएगा। दूसरी ओर तुर्किये ने भी इजराइल पर हमले की धमकी दे दी है। इजराइल और हिज्बुल्लाह में वॉर-पलटवार जारी है। युद्ध के लम्बा खिंचने का अर्थ यही है कि अब रण बहुत भीषण होगा। अमेरिका ईरान के परमाणु स्थलों पर अटैक से लेकर ग्राऊंड ऑपरेशन तक करने को तैयार है। होर्मुज को लेकर भी लड़ाई तेज हो सकती है, जिसका असर पूरी दुनिया पर पड़ेगा। अमेरिका चीन को भी धमका रहा है कि वह ईरान को हथियार न दे। रूस भी पर्दे के पीछे रहकर खेल खेल रहा है। खाड़ी क्षेत्र वैश्विक शक्तियों का अखाड़ा बनने जा रहा है। आने वाले दिनों में स्थितियां क्या मोड़ लेती हैं, क्या दूसरे दौर की वार्ता के द्वार खुलेंगे या फिर गतिरोध बना रहेगा, कुछ कहा नहीं जा सकता।

सम्पादकीय...

खूब रौनक रही 'मेला चरागां' पर लाहौर में

कट्टरपंथी संगठनों व सेना के अघोषित आतंक के बावजूद देश पाकिस्तान में बरसों बाद इस बार लाहौर में 'मेला चरागां' की रौनक लौट आई। बेहद दिलचस्प है यह हकीकत कि सूफी संत माधोलाल हुसैन की पुण्य तिथि (उर्स) पर पिछले चार सौ वर्षों से प्रेम और प्रकाश (मुहब्बत और रोशनी) का यह अद्भुत मेला हर साल मार्च के अंतिम सप्ताह में लगाया जाता है। 16वीं सदी का यह किस्सा सम्राट अकबर के शासनकाल का है। आध्यात्मिक दोस्ती की इस विलक्षण दास्तान में सूफी-अध्यात्म दर्शन की अनूठी प्रस्तुति पिछले लगभग 400 वर्षों से देखने को मिलती रही है। आपसी संबंधों में वर्तमान तल्खी से पहले इस 'मेला चरागां' के उर्स में भारतीय कव्वाल एक बड़ी संख्या में वहां जाते रहे थे। इस बार अधिकांश कव्वाल खाड़ी देशों से आए। उनके जोश पर ईरान-अमेरिका युद्ध की दहशत भी नहीं थी। दरअसल वे लोग तबाही के उस मंज़र को कुछ दिन तक भुलाए रखने और पूरे मध्य-एशिया में शांति बहाली के लिए दुआएं मांगने ही 'माधोलाल हुसैन' की दरगाह पर आए थे। लाहौर के 'जश्ने-चरागां' का मुख्य समारोह शहर के बाहरी क्षेत्र में बागबानपुरा नामक इलाके में उर्स के रूप में 16वीं सदी के सूफी फकीर शाह हुसैन की दरगाह पर मनाया जाता है। वर्ष 1958 में एक हादसे के बाद तत्कालीन राष्ट्रपति ने इस पर पाबंदी लगा दी थी। सात साल बाद जब पाबंदी हटी तो लाहौर की सड़कों पर हज़ारों लोग शाह हुसैन और उनके हमसफर माधो लाल हुसैन के नाम पर आस्था और अकीदत के तराने गाते हुए उमड़ पड़े थे। ढोल व चिमटों की थापों पर वे गा रहे थे- 'माधो लाल/ माधो लाल/ हो गए पूरे सत्त साल/ महंगी रोटी, महंगी दाल/ माधो लाल/माधो लाल/' और तालियां बजाते, ढोल पीटते लोग शाह हुसैन की दरगाह की ओर चल पड़े थे। बागबानपुरा का नाम वहां अब भी कायम है। यह कस्बा लाहौर शहर से वैसे लगभग पांच किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। इसे बसाने के लिए मियां महमूद यूसुफ नाम के एक शख्स ने शहंशाह शाहजहां से खास तौर पर ज़मीन मांगी थी। इसके एवज़ में उस शख्स ने लाहौर के पास अपने गांव इशाकपुर वाली ज़मीन शहंशाह को दे दी थी, जहां शाहजहां ने शालीमार बाग का निर्माण कराया था। तीन दिवसीय मेला चरागां इस कस्बे में स्थित शाह हुसैन की दरगाह पर चलता है। मेला इस बार गत 25 मार्च को लगा। उस दिन वहां पूरी दरगाह लाल गुलाबों की पत्तियों से भर गई थी। कव्वालियां व नातें निरंतर जारी रहती हैं, एक अंतर्राष्ट्रीय मुशायरा भी हुआ जिसमें शुरूआत शाह हुसैन के कलाम से होती है। गत वर्ष 'कहे शाह हुसैन' के शीर्षक से एक नाटक का भी मंचन हुआ था। इसी बहाने थोड़ा ज़िक्र शाह हुसैन व माधो लाल के बारे में भी ज़रूरी है। 16वीं सदी के पंजाबी सूफी शायर शाह हुसैन को अब भी पूरी अकीकत (श्रद्धा) से याद किया जाता है।

भारत की सुरसम्राज्ञी का अवसान- आशा भोसले (1933-2026)- एक युग का अंत, एक अमर धरोहर की शुरुआत

वैश्विक स्तरपर भारतीय संगीत जगत के लिए 12 अप्रैल 2026 का दिन एक गहरे शोक और ऐतिहासिक क्षति का दिन बन गया,जब सुरों की अद्वितीय जादूगरनी आशा भोसले ने 92 वर्ष की आयु में इस दुनियाँ को अलविदा कह दिया। बताया गया है कि आशा भोसले का अंतिम संस्कार (13 अप्रैल) शाम 4 बजे शिवाजी पार्क में होगा, जो लोग भी उन्हें अंतिम श्रद्धांजलि देना चाहते हैं, वे सुबह 11 बजे उनके घर आ सकते हैं। आशा भोसले के निधन के बाद म्यूजिक से लेकर सिनेमा,क्रिकेट और राजनेता भी सभी सिंगर को सोशल मीडिया पर श्रद्धांजलि दे रहे हैं। सोशल मीडिया पर शोक व्यक्त कर रही हैं,मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में अंतिम सांस लेने वाली आशा ताई केवल एक गायिका नहीं थीं, बल्कि वे भारतीय सांस्कृतिक विरासत की जीवंत प्रतीक थीं। सात दशकों से अधिक लंबे अपने करियर में उन्होंने जिस तरह से संगीत को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया, वह उन्हें केवल भारत ही नहीं बल्किवैश्विक संगीत जगत की भी एक अमर शख्सियत बनाता है।उनके निधन की खबर ने न केवल संगीत प्रेमियों बल्कि राजनीतिक, सांस्कृतिक और अंतरराष्ट्रीय समुदाय को भी गहरे शोक में डाल दिया। भारत के राष्ट्रपति उपराष्ट्रपति प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी,अमित शाह महाराष्ट्र के रायपाल मुख्यमंत्री सहित अनेक नेताओं औरकलाकारों ने उन्हेंश्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके योगदान को अविस्मरणीय बताया। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह बताना चाहूंगा कि आशा भोसले का जन्म 8 सितंबर 1933 को एक ऐसे परिवार में हुआ, जहां संगीत सांसों में बसता था। उनकी बड़ी बहन लता मंगेशकर पहले से ही संगीत की दुनियाँ में एक स्थापित नाम थीं, और इसी वातावरण ने आशा के भीतर भी संगीत के बीज बोए। मात्र 10 वर्ष की आयु में 1943 में उन्होंने अपने गायन करियर कीशुरुआत कर दी थी, जो आगे चलकर एक ऐतिहासिक यात्रा में परिवर्तित हुआ। प्रारंभिक संघर्षों के बावजूद उन्होंने अपनेअद्वितीय स्वर और बहुमुखी प्रतिभा के दम पर धीरे-धीरे बॉलीवुड और भारतीय संगीत उद्योग में अपनी अलग पहचान बनाई।1950 के दशक में उन्होंने जिस प्रकार अपनी आवाज का जादू बिखेरा, उसने उन्हें संगीत के आकाश का बुलंद चमकता सितारा बना दिया।

साथियों बात अगर हम उनके करियर का आरंभिक दौर को समझने की करें तो,वह संघर्षों से भरा था। उन्होंने छोटे बजट की फिल्मों में गाकर अपने लिए जगह बनाई और धीरे-धीरे बड़े निर्देशकों और संगीतकारों का ध्यान आकर्षित किया। बिमल रॉय , राज कपूर जैसे दिग्गजों के साथ काम करने का अवसर उन्हें मिला। संगीतकार ओ . पी .नैयर के साथ उनकी जोड़ी ने कई सुपरहिट गीत दिए, लेकिन 1957 में आई फिल्म नया दौर उनके करियर का टर्निंग पॉइंट साबित हुई। इस फिल्म ने उन्हेंमुख्यधारा की सफलता दिलाई और वे भारतीय फिल्म संगीत की अग्रणी गायिकाओं में शामिल हो गईं।आशा भोसले की सबसे बड़ी विशेषता उनकी बहुमुखी प्रतिभा थी। उन्होंने केवल पारंपरिक फिल्मी गीत ही नहीं गाए, बल्कि गजल, पॉप, भक्ति, शास्त्रीय और लोक संगीत सहित हर शैली में अपनी अद्भुत पकड़ दिखाई। 1981 में आई फिल्म उमराव जान में उनके द्वारा गाई गई गजलें- दिल चीज क्या है', इन आंखों की मस्ती के, ये क्या जगह है दोस्तों- आज भी संगीत प्रेमियों के दिलों में जीवित हैं। इन गीतों ने उन्हें राष्ट्रीय पुरस्कार दिलाया और यह साबित किया कि वे केवल एक प्लेबैक सिंगर ही नहीं, बल्कि एक संपूर्ण बहुमुखी की धनी कलाकार थीं। साथियों बात अगर हम आशा भोसले की उपलब्धियों की करें तो उनकी उपलब्धियां केवल भारत तक सीमित नहीं रहीं। आशा भोसले ने अपने करियर में 20 सेअधिक भाषाओं में गीत गाए, जिसके कारण उनका नाम जीनियस बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड्स में दर्ज हुआ। उन्होंने संगीत को वैश्विक मंच पर भारतीय पहचान दिलाई।उनके गीतों में भारतीयता की खुशबू के साथ-साथ आधुनिकता की झलक भी देखने को मिलती थी, जिसने उन्हें हर पीढ़ी का प्रिय बना दिया।उनका करियर केवल गायन तक सीमित नहीं रहा। 2013 में उन्होंने फिल्म माई के माध्यम से अभिनय की दुनिया में भी कदम रखा और अपने अभिनय से आलोचकों की प्रशंसा प्राप्त की।2020 में उन्होंने डिजिटल युग के साथ कदम मिलाते हुए अपना यूट्यूब चैनल भी शुरू किया, जिससे यह स्पष्ट होता है कि वे समय के साथ खुद को ढलने में भी माहिर थीं। 90 वर्ष की आयु के बाद भी उनका मंच पर प्रदर्शन करना उनकी ऊर्जा और संगीत के प्रति समर्पण को दर्शाता है। 2025 में दुबई में उनका कॉन्सर्ट इस बात का जीवंत प्रमाण था कि उम्र उनके लिए केवल एक संख्या थी।

साथियों बात अगर कर हम आशा भोसले का संगीत सफर केवल उपलब्धियों की कहानी नहीं, बल्कि एक प्रेरणा है इसको समझने की करें तो, उन्होंने हर दौर में खुद को प्रासंगिक बनाए रखा। 1990 और 2000 के दशक में भी उन्होंने रंगीला,लगान,प्यार तूने क्या किया जैसी फिल्मों में अपनी आवाज देकर यह साबित किया कि वे हर पीढ़ी के साथ तालमेल बैठाने में सक्षम हैं।ए.आर .रहमान जैसे आधुनिक संगीतकारों के साथ काम करते हुए उन्होंने अपने संगीत को नई दिशा दी।उनके निधन के बाद पूरे देश और दुनिया में शोक की लहर दौड़ गई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने उन्हें सबसे बहुमुखी कलाकार बताते हुए कहा कि उनका जाना केवल एक कलाकार का नहीं, बल्कि एक युग का अंत है। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने उनके साथ अपने व्यक्तिगत संबंधों को याद करते हुए कहा कि आशा ताई का संगीत के प्रति समर्पण अद्वितीय था। वहीं तेजस्वी यादव ने भी इसे संगीत जगत के लिए अपूरणीय क्षति बताया। साथियों बात अगर हम आशा भोसले के जीवन से सीखने की करें तो,उनका जीवन यह सिखाता है कि प्रतिभा,परिश्रम और समर्पण से किसी भी क्षेत्र मेंअमरता प्राप्त की जा सकती है। उन्होंने न केवल संगीत को जिया बल्कि उसे अपने अस्तित्व का हिस्सा बना लिया। उनका हर गीत एक कहानी कहता है, हर सुर एक भावना व्यक्त करता है, और हर धुन एक याद बन जाती है।आज जब वे हमारे बीच नहीं हैं, तब भी उनकी आवाज हमेशा गूंजती रहेगी,रेडियो पर, फिल्मों में, मंचों पर और हर उस दिल में जिसने कभी उनके गीतों को महसूस किया है। उनका निधन एक शारीरिक अंत हो सकता है, लेकिन उनका संगीत अमर है। आने वाली पीढ़ियां उनके गीतों से प्रेरणा लेंगी और उन्हें एक आदर्श के रूप में देखेंगी। आशा भोसले केवल एक नाम नहीं थीं, वे एक युग थीं,एक ऐसा युग जिसने भारतीय संगीत को वैश्विक पहचान दिलाई। उनका जाना एक खालीपन छोड़ गया है, जिसे भर पाना असंभव है। लेकिन उनके गीत, उनकी आवाज और उनकी विरासत हमेशा जीवित रहेगी, हमें यह याद दिलाती रहेगी कि सच्चा कलाकार कभी मरता नहीं,वह अपने कला के माध्यम से हमेशा लोगों के दिलों में जीवित रहता है। साथियों बात अगर हम आशा भोसले के निधन पर राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति प्रधानमंत्री सहित अनेक नेताओं द्वारा दी गई श्रद्धांजलि की करें तो भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने दिग्गज गायिका आशा भोंसले के निधन पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए इसे संगीत की दुनिया के लिए एक अपूरणीय क्षति बताया है। उन्होंने कहा कि आशा जी की सुरीली और सदाबहार आवाज ने दशकों तक भारतीय संगीत को समृद्ध किया और उनके जाने से संगीत जगत में एक बहुत बड़ा खालीपन आ गया है।भारत के उपराष्ट्रपति श्री सी.पी. राधाकृष्णन ने प्रसि?द्ध गायिका आशा भोसले के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है।मुझे महान गायिका आशा भोसले जी के निधन की खबर सुनकर गहरा दुख हुआ है। उनके परिवार, प्रशंसकों और संगीत प्रेमियों के प्रति मेरी हार्दिक संवेदनाएं। आशा जी अपनी बहुमुखी आवाज से विभिन्न शैलियों में सहजता गा पाई। इससे उन्होंने भावपूर्ण ग़ज़लों और पारंपरिक भजनों में महारत हासिल की और भारतीय संगीत पर एक अमिट छाप छोड़ी।उनकी बेमिसाल आवाज और संगीत की विरासत लाखों लोगों के दिलों में गूंजती रहेगी और आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करती रहेगी। ओम शांति।प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने आज आशा भोसले जी के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया और उन्हें भारत की सबसे प्रतिष्ठित और बहुमुखी आवाजों में से एक बताया।उन्होंने कहा कि उनकी दशकों कीअसाधारण संगीतमय यात्रा ने देश की सांस्कृतिक विरासत को समृद्ध किया और विश्व भर में अनगिनत दिलों को छुआ, चाहे उनकी भावपूर्ण धुनें हों या जीवंत रचनाएँ, उनकी आवाज़ में एक शाश्वत दमक थी, और उन्होंने कहा कि उनके साथ हुई मुलाकातों को वे हमेशा संजोकर रखेंगे। उन्होंने उनके परिवार, प्रशंसकों और संगीत प्रेमियों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की। श्री मोदी ने कहा कि वे पीढ़ियों को प्रेरित करती रहेंगी और उनके गीत लोगों के जीवन में सदा गूंजते रहेंगे।पीएम ने एक्स पर लिखा-भारत की सबसे प्रतिष्ठित और बहुमुखी आवाजों में से एक आशा भोसले जी के निधन से मैं अत्यंत दुखी हूं।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक विजय कुमार घाटी ने कन्हा ऑफसेट प्रिन्टर्स, ए-9, साउथ पँचशीला एक्स. दिल्ली-33, से मुद्रित कर कार्यालय, बी-2/370, सुल्तानपुरी, दिल्ली-86 से प्रकाशित किया सम्पादक : विजय कुमार घाटी, मो : 09582093548 समाचार पत्र में प्रकाशित सामग्री से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं विवादास्पद केवल दिल्ली कोर्ट में होंगे। (DELHIN/2019/08863)

उर्स के तीसरे दिन अकीदत का उमड़ी भीड़

नायब सदर समीर खान ने दरगाह पर पेश की खुसूसी चादर, मुल्क की सलामती की मांगी दुआ

भटनी देवरिया।

दरबारे मौला अली हजरत अलाउद्दीन शाह के सालाना उर्स के तीसरे दिन अकीदतमंदों की भारी भीड़ उमड़ी। इस अवसर पर नायब सदर समीर खान ने अपने परिवार एवं साथियों के साथ दरगाह पर खुसूसी चादर पेश की और मुल्क की सलामती, अमन-चैन तथा आपसी भाईचारे के लिए दुआ मांगी। सजादानशीन अमजद अली खान ने दूर-दराज से आए जायरीनों से मुलाकात कर उनके लिए दुआएं कीं। उन्होंने आपसी सहयोग, भाईचारा और प्रेम-सौहार्द को मजबूत बनाने पर विशेष जोर दिया। इस दौरान भटनी शरीफ के पूर्व सदर रहे मरहूम मंजूर आलम की आत्मा की शांति के लिए भी दुआ की गई। कार्यक्रम में सूफी कव्वाल असलम वारसी, अशरफ जमा, सिकंदर और गुलाम हुसैन सहित अन्य कव्वालों ने अपने सूफियाना कलाम से समा बांध दिया। उर्स में सभी जाति और धर्म के लोगों की भागीदारी देखने को मिली, जो गंगा-जमुनी तहजीब की मिसाल रही। इस मौके पर अफरोज अलाउद्दीन, नूर आलम, शेरु खान, आमिर खान, आशीष बाजपेई,हाजी रफीक, बलवीर सिंह, शकील खान, सोहेल, मुजलिम,कशीद, अनस किरावली, कांग्रेस नेता सुहेल अंसारी, पूर्व नगर अध्यक्ष प्रतिनिधि मोहनलाल गुप्ता,गौतम गुप्ता,नरेश चंद यादव, विकास सिंह,राकेश,इसरार अहमद, राजू, दीपक, आलोक सिंह, साजेब,खुशी,अलीशा,असद खान सहित अनेक लोग उपस्थित रहे।

देवरिया में तकनीकी शिक्षा का नया दौर- 15 करोड़ से ITI का कायाकल्प, पॉलिटेक्निक में बनेगा सेंटर ऑफ एक्सीलेंस

देवरिया। किसी भी जनपद के युवाओं के पास डिग्रियां तो बहुत होती हैं, लेकिन बाजार की मांग के अनुरूप कौशल का अभाव अक्सर उन्हें रोजगार की दौड़ में पीछे छोड़ देता है। जनपद में इसी खाई को पाटने के लिए तकनीकी और प्राविधिक शिक्षा के बुनियादी ढांचे में बड़ा फेरबदल किया गया है। शहर के सोंदा स्थित औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान और राजकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज अब केवल पुरानी मशीनों और किताबों तक सीमित नहीं रहेंगे, बल्कि इन्हें आधुनिक कॉर्पोरेट मानकों के अनुसार अपग्रेड किया जा रहा है। सदर विधायक डॉ. शलभ मणि त्रिपाठी द्वारा साझा किए गए विकास के रिपोर्ट कार्ड के अनुसार, तकनीकी शिक्षा में सुधार की शुरुआत सोंदा आईटीआई से हुई। महज किताबी पढ़ाई और सीमित संसाधनों के चलते छात्रों में पनप रही निराशा को देखते हुए, शासन स्तर पर पैरवी कर यहाँ 15 करोड़ रुपये की लागत से टाटा का

ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट स्थापित कराया गया है। इस केंद्र के माध्यम से छात्रों को उन मशीनों और सॉफ्टवेयर पर प्रशिक्षण मिल रहा है, जिनका उपयोग आज की बड़ी औद्योगिक इकाइयों में हो रहा है। इससे छात्रों के लिए केवल डिग्री नहीं, बल्कि नौकरी के दरवाजे भी खुल रहे हैं। इसी कड़ी में, राजकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज देवरिया, जो लंबे समय से आधारभूत सुविधाओं की कमी से जूझ रहा था, उसे भी नया जीवन मिला है। सीटों की संख्या बढ़ने

विधायक शलभ मणि के प्रयासों से सोंदा ITI में टाटा का आधुनिक ट्रेनिंग सेंटर शुरू; 9.23 करोड़ से पॉलिटेक्निक को मिली नई लाइब्रेरी और कॉन्फ्रेंस हॉल की सौगात।

के कारण छात्र-छात्राओं को बैठने और शोध करने में होने वाली असुविधा को देखते हुए 9 करोड़ 23 लाख रुपये की लागत से नए भवन, सुसज्जित लाइब्रेरी और कॉन्फ्रेंस हॉल का निर्माण कराया गया है। यह सुविधाएं अब छात्रों के लिए उपलब्ध हैं, जिससे परिसर का शैक्षणिक माहौल पूरी तरह बदल गया है। भविष्य की योजनाओं का जिक्र करते हुए विधायक ने बताया कि पॉलिटेक्निक छात्रों की दक्षता को अगले स्तर पर ले जाने के लिए 7 करोड़ रुपये की लागत से सेंटर ऑफ एक्सीलेंस का निर्माण होने जा रहा है।

वार्षिकोत्सव सम्पन्न, देश-विदेश के साहित्यकार सम्मानित

कुशीनगर। निराला शब्द संवाद मंच पडरौना कुशीनगर एवं हिन्दी साहित्य भारती गोरक्ष प्रान्त गोरखपुर के संयुक्त तत्त्वावधान में उदित नारायण इंटरमीडिएट कॉलेज के सभागार में भव्य वार्षिकोत्सव का आयोजन किया गया। समारोह में देश-विदेश से आए साहित्यकारों व पत्रकारों को सम्मानित किया गया, साथ ही हिन्दी साहित्य भारती के विभिन्न पदाधिकारियों के मनोनयन की घोषणा भी की गई। कार्यक्रम की विशेषता माता-पिता सेवा सम्मान रहा, जिसके माध्यम से समाज को प्रेरणादायक संदेश दिया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ दीप प्रज्वलन एवं मां सरस्वती के चित्र पर पुष्पार्चन के साथ हुआ। गणेश वंदना अनिता मिश्रा, सरस्वती वंदना डॉ. गीता पाण्डेय अपराजिता तथा स्वागत गीत माधुरी मधु द्वारा प्रस्तुत किया गया। मंच पर संरक्षक डॉ. सुधाकर तिवारी, अध्यक्ष डॉ. ओमप्रकाश द्विवेदी 'ओम' सहित कई साहित्यकारों ने अतिथियों का स्वागत किया। हिन्दी साहित्य भारती के प्रदेश महासचिव डॉ. अमरनाथ द्विवेदी ने कहा कि साहित्य साधना समाज सेवा का महत्वपूर्ण अंग है और हिन्दी सेवा ही राष्ट्र सेवा है। वहीं बुद्ध स्नातकोत्तर महाविद्यालय के प्रोफेसर डॉ. गौरव तिवारी ने ऐसे आयोजनों को समाज में साहित्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने वाला बताया। प्रदेश अध्यक्ष प्रहलाद वाजपेई ने हिन्दी के गौरव और उसके प्रचार-प्रसार पर जोर दिया। मुख्य अतिथि जयप्रकाश विश्वविद्यालय छपरा के संस्कृत विभागाध्यक्ष डॉ. वैद्यनाथ मिश्र ने वैदिक मंत्रों के साथ अपने उद्बोधन की शुरुआत करते हुए मातृभाषा के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने साहित्यकारों को अपने आचरण में भी साहित्यिक मूल्यों को अपनाने की प्रेरणा दी। समारोह में नगर पालिका अध्यक्ष विनय जायसवाल ने साहित्यकारों को अंगवस्त्र एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। नेपाल के विजय किशोर पाण्डेय को ÷निराला शिखर सम्मान, डॉ. गीता पाण्डेय अपराजिता को निराला श्री सहित विभिन्न प्रतिष्ठित सम्मानों से अनेक साहित्यकारों को अलंकृत किया गया। कार्यक्रम के दौरान कई पुस्तकों का विमोचन भी किया गया, जिनमें डॉ. ओमप्रकाश द्विवेदी 'ओम' की कृतियां तथा अन्य लेखकों की पुस्तकें शामिल रहीं। अध्यक्षता डॉ. इन्द्र बहादुर सिंह भदौरिया ने की तथा संचालन डॉ. ओमप्रकाश द्विवेदी 'ओम' ने किया।

लिटिल एंजल्स पब्लिक स्कूल का 10वां वार्षिकोत्सव धूमधाम से मना

कप्तानगंज(कुशीनगर)।

विकासखंड के जगदीशपुर स्थित लिटिल एंजल्स पब्लिक स्कूल में 10वां वार्षिकोत्सव एवं सम्मान समारोह सांस्कृतिक कार्यक्रमों के बीच हर्षोल्लास के साथ आयोजित किया गया। बच्चों की आकर्षक प्रस्तुतियों पर अभिभावक झूम उठे। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि सांसद विजय दुबे द्वारा मां सरस्वती के चित्र पर दीप प्रवलित कर किया गया। सरस्वती वंदना छात्राओं रीमा, ममता, बंदना, सीमा और सरिता ने प्रस्तुत कर सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया।

इसके बाद छात्र सौरभ, राहुल, मिथिलेश, अंकुर, मोहन, श्रेयांश, सत्येंद्र और प्रवीण ने देशभक्ति नाटक प्रस्तुत किया, जो बेहद सराहनीय रहा। अपने संबोधन में सांसद विजय दुबे ने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में सरकार तेजी से कार्य कर रही है और छात्र-छात्राएं प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता हासिल कर देश का नाम रोशन कर रही हैं। उन्होंने अभिभावकों से बच्चों को उच्च शिक्षा दिलाने पर जोर दिया। खड्डा विधायक विवेकानंद पाण्डेय ने कहा कि विद्यार्थियों की प्रस्तुतियां प्रेरणादायक हैं और देशभक्ति का संदेश देती हैं। कार्यक्रम को हाटा विधायक मोहन वर्मा, रामकोला विधायक विनय प्रकाश गौड़ तथा सुकरौली ब्लॉक प्रमुख रंजना पासवान ने भी संबोधित किया। विद्यालय के डायरेक्टर चंद्रशेखर पाण्डेय ने शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि संस्था का उद्देश्य बच्चों का सर्वांगीण विकास करना है। मैनेजिंग डायरेक्टर प्रतिमा मणि पाण्डेय और प्रिंसिपल अनुराधा सिंह ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया। अंत में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में अभिभावक एवं क्षेत्रीय लोग उपस्थित रहे।

आशा ताई के निधन पर साहित्यकारों ने दी श्रंद्धाजलि

कप्तानगंज(कुशीनगर)। देश की महान सुर गायिका आशा भोंसले के निधन पर नगर की साहित्यिक संस्था प्रभात साहित्य समिति के कवियों ने संस्था के अध्यक्ष इंद्रजीत इंद्र के आवास पर एक शोक बैठक कर उन्हें श्रंद्धाजलि अर्पित कर उन्हें याद करते हुए 2 मिनट मौन रहकर आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना किया। श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए अध्यक्ष इंद्रजीत ने कहा कि 92 वर्ष की उम्र में आशा जी का इस दुनिया से चले जाना गीत व संगीत क्षेत्र को सुना कर गई, जिसे कभी पूरा नहीं किया जा सकता। कवि बेचू बीए ने कहा कि सुप्रसिद्ध पार्श्वर्य गायिका आशा जी का जाना गीत संगीत को ग़मगीन कर दिया। आशा जी को आशा ताई जी के नाम से भी बुलाया जाता था। वे करीब 8 दशकों तक 12000 हजार से अधिक गीतों को गा कर फ़िल्म जगत में जानी गई। 10 वर्ष की उम्र में ही वे गीत गाना प्रारम्भ कर दी थीं। वहीं अर्शी बस्तवी, बेनिगोपाल शर्मा , कन्हिया लाल करुण, नूरुद्दीन नूर, विनोद गुप्ता आनन्द अनुज , धर्मेंद्र निर्मल ने भी स्वर कोकिला जी के संदर्भ में विस्तृत चर्चा किया।

गैस धांधली के मामले में एजेंसी के प्रोपराइटर के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज

महराजगंज।

उपभोक्ताओं की ओर से तहसील पर प्रदर्शन के बाद एसडीएम के निर्देश पर पूर्ति निरीक्षक के जांच में खुली पोल

निचलौल शहर स्थित भारत गैस एजेंसी पर गैस वितरण करने में धांधली करने का मामला सामने आया है। इसका खुलासा बीते दिनों उपभोक्ताओं की ओर से तहसील पर प्रदर्शन के बाद एसडीएम के निर्देश पर पूर्ति निरीक्षक के जांच में हुई है। फिलहाल इस मामले में पुलिस सोमवार को पूर्ति निरीक्षक की तहरीर के आधार कर आरोपी गैस एजेंसी के प्रोपराइटर के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कार्रवाई में जुट गई है। पूर्ति निरीक्षक इंद्रभान सिंह ने बताया है कि बीते 8 अप्रैल घरेलू गैस न मिलने के चलते कुछ उपभोक्ताओं की ओर से तहसील पर प्रदर्शन किया गया था। इस मामले में एसडीएम की ओर से उन्हें जांच करने के लिए निर्देशित किया गया था। उसके बाद मौके पर पहुंच मामले की जांच की गई। इस दौरान गैस एजेंसी बंद मिली। जबकि मौके पर मौजूद उपभोक्ता और उनके परिजनों ने कहा कि गैस एजेंसी का कार्यालय अक्सर बंद ही रहता है। वही मौके पर मौजूद कृष्ण मोहन निवासी ठूठीबारी ने कहा कि 19 मार्च को ही घरेलू गैस की बुकिंग की गई है। ऐसे में 20 मार्च को डिलीवरी का मैसेज भी आ गया है। लेकिन एजेंसी की ओर से डिलीवरी नहीं किया जा रहा है। इतना ही नहीं उन्हें बार बार दौड़ाया जा रहा है। जबकि कौशल निवासी बरवा कृपाल ने बताया कि पत्नी के नाम से कनेक्शन है। 18 मार्च को डिलीवरी के लिए मैसेज आ चुका है। लेकिन उन्हें गैस नहीं मिला है। जबकि पासबुक भी जमा है। गैस एजेंसी अक्सर बंद रहता है। सुधांशु नारायन तिवारी निवासी लोहिया नगर पंचायत निचलौल ने बताया कि 6 अप्रैल को गैस बुकिंग किया था। लेकिन गैस नहीं मिला, उन्हें गैस दिलाया जाय। इसी तरह रामसूरत निवासी मेघौली खुर्द, उषा देवी निवासी कपरौली, नमिता निवासी महाशय मुहल्ला नगर पंचायत निचलौल, सुभावती देवी निवासी जयश्री, राजकेशी देवी और सुशीला देवी निवासी करवतही उर्फ कटका, सरोज निवासी पिपरिया बोदना, अमिना खातून निवासी बनकटवा, शबनम, सुनीता, रीता, रामावती, कांती निवासी बुढाडीह कला, सोनी, महिबुन निशा, फूला देवी, किरन, मीरा देवी, सीता, बिन्दु, प्रियंका, मनोज कुमार गुप्ता, माधुरी सहित कई उपभोक्ताओं ने भी गैस वितरण में धांधली करने और एजेंसी के प्रोपराइटर की मनमानी करने का बयान दर्ज कराया। ऐसे में जांच में पता चला कि उक्त भारत गैस एजेंसी की ओर से शासन के निर्देशों का पालन न कर मोटी मुनाफा कमाने के लिए गैस वितरण में धांधली की जा रही है। थाना प्रभारी निरीक्षक अखिलेश कुमार वर्मा के अनुसार पूर्ति निरीक्षक इंदभान सिंह के तहरीर पर भारत गैस एजेंसी निचलौल के प्रोपराइटर आसमा खातून के खिलाफ संबंधित धाराओं में प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

नारी शक्ति वंदन सम्मेलन' का आयोजन, 15 महिलाओं को किया गया सम्मानित

महराजगंज। विकास भवन सभागार में सोमवार को नारी शक्ति वंदन सम्मेलन पंचायत से पार्लियामेंट तक-निर्माण में नारी, नवभारत की तैयारी विषय पर एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि राय महिला आयोग की उपाध्यक्ष चारू चौधरी रही। कार्यक्रम के दौरान माननीय प्रधानमंत्री के संबोधन का सजीव प्रसारण भी किया गया, जिसे उपस्थित महिलाओं ने गंभीरता और रुचि के साथ देखा। इस आयोजन का उद्देश्य महिलाओं को सशक्त बनाना तथा उन्हें शासन की विभिन्न योजनाओं से जोड़ना रहा। अपने संबोधन में चारू चौधरी ने कहा कि वर्तमान समय में महिलाएं परिवर्तन के युग की सशक्त भागीदार बन चुकी हैं। उन्होंने बताया कि केंद्र और उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा नारी सशक्तिकरण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है। शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा और रोजगार से जुड़ी अनेक योजनाएं संचालित की जा रही हैं, जिनका सीधा लाभ महिलाओं को मिल रहा है। उन्होंने कहा कि महिलाओं को विभिन्न क्षेत्रों में आरक्षण देकर उनकी भागीदारी सुनिश्चित की जा रही है, जिससे वे समाज के हर क्षेत्र में अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज करा रही हैं। उन्होंने आगे कहा कि नारी शक्ति अब केवल कागजों तक सीमित नहीं रह गई है, बल्कि इसे जमीनी स्तर पर साकार किया जा रहा है। महिलाओं को अन्याय और उत्पीड़न के खिलाफ सजग और साहसी बनने की आवश्यकता है। आज की बेटियां हर क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रही हैं और देश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं। इस अवसर पर उन्होंने प्रदेश सरकार के एक वर्ष पूर्ण होने पर महिलाओं के हित में संचालित योजनाओं और उपलब्धियों की विस्तृत

जानकारी भी साझा की। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाली 15 महिलाओं को प्रशस्ति पत्र और शॉल प्रदान कर सम्मानित किया गया। यह सम्मान समारोह उपस्थित महिलाओं के लिए प्रेरणास्रोत साबित हुआ। इस दौरान मुख्य विकास अधिकारी महेंद्र कुमार सिंह, जिला विकास अधिकारी भोलानाथ कन्नौजिया, जिला पंचायत राज अधिकारी श्रेया मिश्रा, जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी श्री तन्मय, क्षेत्राधिकारी पुलिस सदर, महिला थाना प्रभारी, स्वास्थ्य विभाग के चिकित्सक तथा महिला कल्याण विभाग के काउंसलर सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी और बड़ी संख्या में महिलाएं उपस्थित रही।

दिल्ली में नारी शक्ति वंदन अधिनियम का विशेष अभियान शुरू, सांसद बांसुरी स्वराज ने जारी किया नंबर

नई दिल्ली । दिल्ली में आज एक अहम राजनीतिक पहल के तहत नारी शक्ति वंदन अधिनियम के प्रचार को गति देने के लिए एक विशेष अभियान की शुरुआत की गई. इस पहल के जरिए आम लोगों को सीधे जोड़ने का प्रयास किया गया है ताकि महिलाओं की भागीदारी को और मजबूत बनाया जा सके. इस अभियान में एक मिस्ड कॉल नंबर जारी कर लोगों से समर्थन देने की अपील की गई है. सांसद कमलजीत सहरावत और सांसद बांसुरी स्वराज ने संयुक्त प्रेसवार्ता में 9667173333 नंबर जारी करते हुए लोगों से अपील की कि वे इस पर मिस्ड कॉल देकर नारी शक्ति वंदन अधिनियम के समर्थन में अपनी सहमति दर्ज कराएं. इसके साथ ही नारीशक्तिवंदन हैशटैग भी लॉन्च किया गया ताकि यह अभियान डिजिटल प्लेटफॉर्म पर भी व्यापक रूप से फैल सके. इस प्रेसवार्ता का संचालन प्रदेश प्रवक्ता न्योमा गुप्ता ने किया. कार्यक्रम में प्रदेश उपाध्यक्ष योगिता सिंह, महिला मोर्चा प्रभारी श्यामबाला, मोर्चा महामंत्री डिम्पल भारद्वाज और वैशाली पोद्दार भी मौजूद रहीं. सभी ने मिलकर इस अभियान को सफल बनाने का संकल्प जताया. कमलजीत सहरावत ने कहा कि 2014 में प्रधानमंत्री द्वारा दिए गए 'सबका साथ,

सबका विकास' के नारे को साकार करते हुए, नारी शक्ति वंदन अधिनियम लाया गया. उन्होंने बताया कि आज महिलाएं नेवी, एयरफोर्स और अन्य क्षेत्रों में तेजी से आगे बढ़ रही है और अब देश 'वुमेन लेड डेवलपमेंट' की दिशा में आगे बढ़ चुका है. सहरावत ने जानकारी दी कि 16, 17 और 18 अप्रैल को विशेष सत्र बुलाया गया है ताकि इस विधेयक को जल्द से जल्द लागू किया जा सके. उन्होंने उम्मीद जताई कि सभी राजनीतिक दल इस ऐतिहासिक कदम का समर्थन करेंगे. उन्होंने यह भी कहा कि संसद में महिलाओं की भागीदारी 13.63 फीसदी से बढ़कर 33 फीसदी होने से सामाजिक बदलाव की नई तस्वीर सामने आएगी. बांसुरी स्वराज ने कहा कि भारतीय संस्कृति में अर्धनारीश्वर की अवधारणा समानता को दर्शाती है, लेकिन राजनीति में यह संतुलन अभी नहीं दिखता. उन्होंने आंकड़ों का हवाला देते हुए बताया कि 2024 के चुनाव में महिलाओं का वोट प्रतिशत पुरुषों से अधिक रहा, फिर भी संसद में उनका प्रतिनिधित्व काफी कम है. उन्होंने कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम को सर्वसम्मति से पारित किया गया और अब लक्ष्य है कि 2029 तक संसद में महिलाओं की हिस्सेदारी 33 फीसदी तक पहुंचे. उन्होंने सभी दलों से आग्रह किया कि इस मुद्दे को राजनीति से ऊपर उठकर समर्थन दें.

महाराष्ट्र के ठाणे में सड़क हादसा, 11 लोगो की मौत

ठाणे । (वेबवार्ता) महाराष्ट्र के ठाणे में सोमवार को सड़क हादसे में 11 लोगों की मौत हो गई। दो गंभीर घायल हुए हैं। पुलिस के मुताबिक हादसा सुबह करीब 10:45 बजे मुरबाड के गोविली गांव स्थित रैता ब्रिज पर हुआ। कल्याण से मुरबाड जा रही वैन को सामने से आ रहे सीमेंट मिक्सर ट्रक से टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि वैन में सवार 9 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो ने अस्पताल ले जाते समय दम तोड़ दिया। वहीं, अन्य दो लोग घायल हैं, जिन्हें उल्हासनगर के सेंट्रल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मरने वालों में 8 पुरुष और 3 महिलाएं शामिल हैं। अब तक 6 मृतकों की पहचान हो चुकी है, बाकी की पहचान जारी है। वैन रोजाना की तरह आज सुबह भी पैसेंजर्स को लेकर कल्याण से मुरबाड जा रही थी। वैन में ड्राइवर समेत 12-13 लोग सवार थे। इसी दौरान रैता ब्रिज पर सामने से आ रहे सीमेंट मिक्सर से टक्कर हो गई। राहगीरों ने बताया कि दोनों गाड़ियां स्पीड में थीं। टक्कर इतनी भीषण थी कि वैन में सवार किसी को बाहर निकलने का मौका नहीं मिला। राहगीरों ने पुलिस और एंबुलेंस को सूचना दी।

दिल्ली की ताकतों का उपयोग करके पश्चिम बंगाल चुनाव नहीं जीत पाएगी भाजपा- मुख्यमंत्री ममता

बंगाल । (वेबवार्ता) पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोमवार को दावा किया कि केंद्र सरकार और 19 राज्य उनके खिलाफ एकजुट हो गए हैं और वह अकेले ही आम जनता के लिए संघर्ष कर रही हैं। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की देश के 19 राज्यों में सरकार है। बीरभूम जिले के सूरी में एक रैली को संबोधित करते हुए तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) प्रमुख ने कहा कि भाजपा दिल्ली की ताकतों का उपयोग करके पश्चिम बंगाल चुनाव नहीं जीत पाएगी। उन्होंने कहा, पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में तृणमूल कांग्रेस 226 से अधिक सीटें हासिल करेगी। बनर्जी ने यह भी आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम का प्रसारण युवाओं को प्रभावित करने के लिए किया जा रहा है। पश्चिम बंगाल की 294 सदस्यीय विधानसभा के चुनाव दो चरणों में 23 और 29 अप्रैल को होंगे। परिणाम चार मई को घोषित किए जाएंगे। गौरतलब है कि ममता बनर्जी की सरकार पश्चिम बंगाल में 20 मई 2011 से सत्ता में है। उन्होंने पहली बार 2011 में मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी, जब उनकी पार्टी तृणमूल कांग्रेस ने लंबे समय से सत्ता में रही वाम मोर्चा सरकार को हराया था। इसके बाद ममता बनर्जी लगातार 2016 में दोबारा सत्ता में आईं। फिर 2021 में 213 सीटें जीत करतीसरी बार मुख्यमंत्री बनीं थी यानी 2011 से अब तक (लगभग 15+ साल) वे लगातार पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री है। वहीं बीजेपी को पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2021 में भारतीय जनता पार्टी को 77 सीटें मिली थीं। फिलहाल 2026 चुनाव में देखना है कि क्या बंगाल की जनता को ममता को मौका देती है या फिर बीजेपी सत्ता पर

हिमंत विश्व शर्मा के खिलाफ उठे सवालों की जांच होनी चाहिए- राहुल गांधी

नई दिल्ली । (वेबवार्ता) कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने सोमवार को कहा कि असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा कानून की जद से नहीं बचने वाले हैं और उनके खिलाफ जो सवाल खड़े हुए हैं, उनकी जांच होनी चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि पूरी कांग्रेस खेड़ा के साथ खड़ी है और सत्ता के दुरुपयोग से की जा रही कार्रवाई से डरने वाली नहीं है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने एक्स पर पोस्ट किया, असम के वर्तमान मुख्यमंत्री देश के सबसे भ्रष्ट मुख्यमंत्री हैं। वह कानून की जद से नहीं बचेंगे। अपने राजनीतिक विरोधियों और आलोचकों को परेशान करने के लिए राज्य की सत्ता का दुरुपयोग करना संविधान के खिलाफ है। उन्होंने कहा कि जो सवाल उठ रहे हैं,उनकी जांच होनी चाहिए, क्योंकि पारदर्शिता, सत्ता की जवाबदेही और कानून का शासन ही देश के संवैधानिक मूल्यों का आधार है। राहुल गांधी ने कहा, कांग्रेस पार्टी पवन खेड़ा के साथ खड़ी है। हम डरेंगे नहीं। खेड़ा ने पांच अप्रैल को आरोप लगाया था कि शर्मा की पत्नी रिंकी भुइयां शर्मा के पास संयुक्त अरब अमीरात, मिस्र और एंटीगुआ-बारबुडा के पासपोर्ट हैं, दुबई में दो संपत्तियां हैं तथा अमेरिका में मुखौटा कंपनियों में संपत्तियां

हैं, जिनका मुख्यमंत्री ने अपने चुनावी हलफनामे में जिक्र नहीं किया। शर्मा और उनकी पत्नी ने आरोपों को खारिज किया। मुख्यमंत्री की पत्नी ने खेड़ा के खिलाफ असम पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी, जिसके बाद पुलिस के एक दल ने खेड़ा के दिल्ली स्थित आवास पहुंचकर तलाशी ली थी। तेलंगाना उच्च न्यायालय ने बीते 10 अप्रैल को एक सप्ताह के लिए अग्रिम जमानत दे दी थी।

2029 तक नारी वंदन कानून लागू करने पर विपक्ष ने खास तौर से दिया जोर- पीएम मोदी

नई दिल्ली । (वेबवार्ता) प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2023 में पेश किए गए नारी शक्ति वंदन अधिनियम को 21वीं सदी का एक महत्वपूर्ण कदम बताया है। उन्होंने कहा कि इस अधिनियम को सभी दलों ने सर्वसम्मति से पारित किया, जो महिला सशक्तिकरण के प्रति देश की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। यह कानून दशकों से महसूस की जा रही महिलाओं के लिए लोकतांत्रिक ढांचों में आरक्षण की आवश्यकता को पूरा करता है। पीएम मोदी ने कहा कि सभी दलों ने इसे सर्वसम्मति से पारित किया और विपक्ष ने खास तौर पर 2029 तक महिला आरक्षण कानून लागू करने की जरूरत पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक ढांचे में महिलाओं को आरक्षण देने की आवश्यकता दशकों से महसूस की जाती रही है। उन्होंने कहा कि भारत की 'नारी शक्ति' ने

देश के विकास में बड़ा योगदान दिया है।

महिलाओं का आशीर्वाद लेने आया हूं – पीएम मोदी

नारी शक्ति वंदन सम्मेलन में पीएम मोदी ने कहा कि मैं यहां किसी को उपदेश देने या जागरूक करने नहीं, बल्कि देश की महिलाओं का आशीर्वाद लेने आया हूं। नारी शक्ति वंदन अधिनियम का लागू होना 21वीं सदी के सबसे महत्वपूर्ण कदमों में से एक है। हमारे देश में पंचायती राज संस्थाएं महिलाओं के नेतृत्व का उत्कृष्ट उदाहरण हैं।

इस कानून से सामाजिक न्याय केवल नारा नहीं रहेगा- प्रधानमंत्री

प्रधानमंत्री मोदी ने महिला सम्मेलनों को संबोधित करते हुए कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम का पारित होना भारत के लिए एक ऐसे समतावादी राष्ट्र के निर्माण का संकल्प है, जहां सामाजिक न्याय केवल एक नारा नहीं, बल्कि कार्य संस्कृति का एक स्वाभाविक हिस्सा है। उन्होंने जोर दिया कि यह अधिनियम भारत की नारी शक्ति के अमूल्य योगदानों को स्वीकार करता है।

महिलाओं की भागीदारी बढ़ने से जवाबदेही होती है सुनिश्चित- पीएम

प्रधानमंत्री ने इस बात पर प्रकाश डाला कि इस संशोधन विधेयक को संवाद, सहयोग और भागीदारी के माध्यम से पारित कराना सरकार का प्रयास और प्राथमिकता रही है। उन्होंने कहा कि महिलाओं की निर्णय लेने की प्रक्रियाओं में बढ़ी हुई भागीदारी से प्रणालियों के भीतर

बिहार में पहली बार भाजपा का सीएम, शपथ ग्रहण में पीएम मोदी भी आएंगे; लोक भवन में हुई चर्चा

पटना । बिहार को 15 अप्रैल को पहली बार भारतीय जनता पार्टी अपना मुख्यमंत्री देने जा रही है।

लोकभवन में शपथ ग्रहण समारोह की तैयारी तैयारी चल रही है। बिहार लोकभवन में आज राज्यपाल के सचिव गोपाल मीणा की अध्यक्षता में पटना जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक हुई। इसमें पटना के प्रमंडलीय आयुक्त, डीएम, एसएसपी, सारे एसपी, एडीएम और एसडीएम शामिल हुए। 15 अप्रैल को नई सरकार का शपथ ग्रहण समारोह होगा। सुबह 11 बजे नए सीएम शपथ लेंगे। खास बात यह है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी नए मुख्यमंत्री के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होंगे। इसके लिए सारी तैयारी चल रही है। मंगलवार दोपहर तक सारी तैयारियां पूरी कर ली जाएगी। पटना जिला प्रशासन की ओर से एयरपोर्ट, अणे मार्ग, राजभवन की सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। पीएम मंगलवार शाम को पटना आएंगे। वह लोक भवन में ही रुकेंगे। लोकभवन में सारी तैयारियां चल रही है। लोकभवन के आसपास की सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। सड़क पर बैरिकेडिंग भी की जा रही है।

आज नीतीश कुमार के इस्तीफे के बाद नए सीएम की घोषणा

सूत्र बता रहे हैं कल कैबिनेट की बैठक खत्म करने के बाद सीएम नीतीश कुमार अपनी पार्टी के विधायकों के साथ बैठक करेंगे। इसके बाद दोपहर साढ़े तीन राज्यपाल को अपना इस्तीफा सौंप देंगे। प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने साफ कहा कि 14 अप्रैल को पहले भाजपा के विधायक दल की बैठक होगी। इसके बाद सरकार के गठन की प्रक्रिया आगे बढ़ेगी। सबकुछ तय कार्यक्रम के अनुसार ही चल रहा है।भाजपा की बैठक के बाद एनडीए के विधायक दल के नेताओं की बैठक होगी। इसमें सभी विधायक भाजपा की ओर से तय किए गए चेहरे पर अपनी स्वीकृति देंगे।

गुजरात में ट्रक ने श्रद्धालुओं को कुचला, 7 की मौत

अहमदाबाद। गुजरात के सुरेंद्रनगर जिले से एक हृदयविदारक घटना सामने आई है। रविवार देर रात लखतर-विरमगाम राजमार्ग पर एक तेज रफ्तार ट्रक ने पैदल जा रहे तीर्थयात्रियों के समूह को अपनी चपेट में ले लिया। इस भीषण दुर्घटना में सात लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि कई अन्य घायल बताए जा रहे हैं। लखतर के पुलिस निरीक्षक योगेश पटेल ने बताया कि यह घटना लखतर-विरमगाम राजमार्ग पर देर रात करीब 1.30 बजे उस समय घटी, जब तीर्थयात्रियों का एक समूह राजकोट से बहुचराजी मंदिर में दर्शन करने के लिए पैदल जा रहा था। उन्होंने बताया कि जिले के लखतर तालुका के भास्करपारा गांव के बाहरी इलाके में एक तेज रफ्तार ट्रक ने श्रद्धालुओं को कुचल दिया।

पश्चिम बंगाल बमों का जवाब वोटों से देगा, बनेगी डबल इंजन वाली सरकार- अमित शाह

बंगाल। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को कहा कि पश्चिम बंगाल की जनता बमों का जवाब वोटों से देगी और विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की डबल इंजन वाली सरकार बनेगी। अमित शाह ने बीरभूम जिले के मयूरेश्वर में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा राज्य में विधानसभा चुनाव जीतने के बाद माफिया राज समाप्त करेगी। उन्होंने कहा, पश्चिम बंगाल की जनता ने ममता बनर्जी सरकार को विदा करने का मन बना लिया है और वह बम और गोलियों का जवाब वोटों से देगी। शाह ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी राज्य के बहुसंख्यक समुदाय को डराने की कोशिश कर रही हैं और कहा कि यह

चुनाव राज्य और देश से घुसपैठियों को बाहर निकालने का है। शाह ने प्रश्नात्मक लहजे में कहा, दीदी, हम यहां सदियों से रह रहे हैं। हमें धमकाने वाली आप कौन हैं अमित शाह ने आरोप लगाया कि तृणमूल कांग्रेस के शासनकाल में मुर्शिदाबाद में दंगे हुए, राम नवमी शोभायात्रा पर हमले किए गए और कुछ स्थानों पर सरस्वती पूजा की अनुमति नहीं दी गई। गृह मंत्री शाह ने आरोप लगाया कि पिछले 15 वर्षों से राज्य में शासन कर रही तृणमूल कांग्रेस ने बंगाल को बम और गोलियों का गोदाम बना दिया है। उन्होंने कहा, मैं तृणमूल के गुंडों से कहना चाहता हूं कि वे मतदान के दिन घर में रहें वरना चार मई के बाद उन्हें जेल भेज दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि निष्पक्ष और स्वतंत्र चुनाव सुनिश्चित करने के लिए चुनाव आयोग ने राज्य में पर्याप्त केंद्रीय बल भेजे हैं। अमित शाह ने आरोप लगाया कि राज्य सरकार ने कई स्थानों पर बीएसएफ को भारत-बांग्लादेश सीमा पर तारबंदी के लिए जमीन उपलब्ध नहीं कराई है और यदि यहां भाजपा की सरकार बनती है तो इस उद्देश्य के लिए 45 दिनों के भीतर जमीन उपलब्ध कराई जाएगी।

चुनावों के शोर में हम आंखें नहीं मूंद सकते, बंगाल एसआईआर मामले में सुप्रीम कोर्ट की चुनाव आयोग पर सख्त टिप्पणी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को पश्चिम बंगाल में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण मामले की सुनवाई की। इस दौरान सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि चुनाव नतीजों में तब तक दखल नहीं दिया जा सकता, जब तक कि जीत का अंतर, सूची से बाहर किए गए वोटों की संख्या से कम न हो। जस्टिस जॉयमाल्य बागची और सीजेआई सूर्यकांत की पीठ ने सुनवाई के दौरान भारत निर्वाचन आयोग की प्रक्रिया पर सवाल उठाते हुए कहा कि बंगाल के मतदाता अलग-अलग संवैधानिक संस्थाओं के बीच पिस रहे हैं। दरअसल, जस्टिस बागची ने यह टिप्पणी तब की जब चुनाव आयोग ने दलील दी कि न्यायिक अधिकारियों ने तार्किक विसंगति के 47 फीसदी मामलों को खारिज कर दिया है, ये वे अधिकारी थे जिन्होंने चुनाव आयोग द्वारा जारी नोटिसों पर फैसला सुनाया था। कोर्ट ने यह टिप्पणी भी की कि चुनाव आयोग ने ही पश्चिम बंगाल में एसआईआर के दौरान संदिग्ध मतदाताओं की एक तार्किक विसंगति सूची बनाई थी। जिसके जवाब में जस्टिस बागची ने कहा, यहां बात यह नहीं है कि साध्य साधनों को सही ठहराता है, बल्कि यह है कि साधन साध्य को सही ठहराते हैं। यह राज्य सरकार और चुनाव आयोग के बीच की लड़ाई नहीं है। यह कोई एक-दूसरे पर दोष

मढ़ने का खेल (ब्लेम गेम) भी नहीं है। यह तो मतदाताओं के दो संवैधानिक संस्थाओं के बीच पिसने का मामला है। अदालतों ने केवल चुनावों को बढ़ावा देने के लिए हस्तक्षेप किया है, न कि उनमें रुकावट डालने के लिए। हालांकि, न्यायमूर्ति बागची ने यह भी कहा कि जब तक भारी संख्या में मतदाताओं को मतदान से बाहर नहीं किया जाता, तब तक चुनाव परिणामों में हस्तक्षेप नहीं किया जा सकता है। जस्टिस बागची ने कहा, अगर 10 प्रतिशत लोग वोट नहीं देते और जीत का अंतर 10 प्रतिशत से अधिक है तो... अगर यह 5 प्रतिशत से कम है तो हमें गंभीरता विचार करना होगा। पहले अपील न्यायाधिकरण के समक्ष उम्मीदवार को प्राथमिकता दी जाती थी क्योंकि किसी भी उम्मीदवार को चुनाव लड़ने के अधिकार से वंचित नहीं किया जा सकता। कृपया यह न सोचें कि हमारे मन में यह सवाल नहीं है कि उन लोगों का क्या होगा जिन्हें मतदान से वंचित किया गया है। कोर्ट ने कहा, =अगर आप रोज 1000 दस्तावेज देखते हैं, और अगर आपकी सटीकता 70 प्रतिशत है, तो इस काम को बेहतरीन माना जाना चाहिए। इसलिए, गलती की गुंजाइश तो रहेगी ही, और हमें एक मजबूत अपील फोरम की जरूरत है। यह देखते हुए कि वोट देने का अधिकार लगातार बना रहना चाहिए और आने वाले चुनावों की गहमागहमी और हंगामे से अपनी आंखें नहीं मूंद सकते। कोर्ट ने कहा कि जिस देश में आपका जन्म हुआ है, वहां वोट देने का अधिकार न केवल संवैधानिक है, बल्कि भावनात्मक भी है। यह ऐसा है, जैसे आप लोकतंत्र का एक हिस्सा हैं और सरकार चुनने में मदद करते हैं।

सुबह 9 बजे मदरसन से शुरू हुआ बवाल, 12 बजे उग्र हुए कर्मी; 4.30 तक जला नोएडा

नोएडा । गौतमबुद्धनगर जिले के नोएडा में निजी कंपनियों के कर्मचारियों का प्रदर्शन जारी है। प्रदर्शनकारी कई सेक्टरों में जमकर उत्पात मचा रहे हैं। पुलिस ने उपद्रवियों पर लाठीचार्ज भी किया है। सेक्टर 57 में पिछले एक घंटे में प्रदर्शनकारियों ने करीब पचास कंपनियों और दो सौ गाड़ियों में तोड़फोड़ की है। उन्होंने कंपनी को आग लगाने की कोशिश भी की। प्रदर्शनकारियों ने पुलिस को दौड़ा दिया। सेक्टर 57 में उपद्रवियों ने कंपनियों में तोड़फोड़ की और इमारतों के शीशे तोड़े, जिससे स्टाफ को भागना पड़ा। बड़ी संख्या में कंपनियों में तोड़फोड़ और पथराव हुआ। सेक्टर 59 में पुलिस की जीप का शीशा तोड़ा गया और कंपनी में आग लगाने की कोशिश की गई। सेक्टर 58 में श्रमिकों ने आगजनी की और जुलूस के रूप में निकले कर्मचारियों ने कई फैक्ट्रियों में पत्थरबाजी की। उपद्रवी सेक्टर 58 की कंपनी में घुस गए और जमकर तोड़फोड़ की। प्रदर्शनकारी अब समूह में निकल रहे हैं। उनके हाथों में डंडे और छड़ हैं। वे लगातार पत्थर भी चला रहे हैं।

लोगों ने पुलिस को भी दौड़ाया है। यह प्रदर्शन हिंसक होता जा रहा है। पुलिस ने सेक्टर 57 और सेक्टर 58 में लाठीचार्ज किया है। फेस दो में पत्थरबाजी करने वाले प्रदर्शनकारियों को हटाने के लिए पुलिस ने स्मोग गन चलाई। प्रदर्शनकारियों ने फैक्ट्रियों के सीसीटीवी कैमरे भी तोड़ दिए हैं। पुलिस स्थिति को नियंत्रित करने का प्रयास कर रही है। उत्तर प्रदेश के पुलिस महानिदेशक राजीव कृष्ण ने सोमवार को कहा कि पुलिस उन तत्वों की पहचान कर

नोएडा के सेक्टर 57 में 50 कंपनी और 200 गाड़ियों में तोड़फोड़

रही है, जिन्होंने कथित तौर पर नोएडा में श्रमिकों के विरोध प्रदर्शन के दौरान हिंसा भड़काई थी, और उन्होंने चेतावनी दी कि उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। डीजीपी ने कहा कि अशांति में शामिल भड़काने वाले तत्वों और बाहरी तत्वों का पता लगाया जा रहा है। एक बार जब उनकी पहचान स्थापित हो जाएगी, तो उनके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। गौतमबुद्ध नगर जिले में श्रमिकों के अधिकारों को सुरक्षित करने और औद्योगिक क्षेत्र में पारदर्शिता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से जिलाधिकारी मेधा रूपम ने नई और महत्वपूर्ण गाइडलाइंस जारी की हैं। इन निर्देशों का मुख्य जोर कर्मचारियों के वेतन, ओवरटाइम भुगतान, बोनस और शिकायत निवारण तंत्र को सुव्यवस्थित करना है।

वेतन भुगतान में पारदर्शिता और समयबद्धता

नई गाइडलाइंस के अनुसार, जिले की सभी कंपनियों और औद्योगिक इकाइयों को अब हर महीने की 10 तारीख तक अपने कर्मचारियों का वेतन भुगतान करना अनिवार्य होगा। जिलाधिकारी ने इस संबंध में किसी भी तरह की लापरवाही या अनावश्यक देरी को बर्दाश्त न करने की सख्त हिदायत दी है। नियमों का उल्लंघन करने वाली कंपनियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।